जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 190
दिनांक 30.11. 2022

कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की समस्याओं की पहचान करते हुए सुदूर संवेदन तकनीकी से निदान करना अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध होगा - डॉ खरे

ज.ने.कृ.वि.वि.में 21 दिवसीय सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना यंत्र विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

जबलपुर 30 नवम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित **राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (नाहेप)** के तहत 15 वीं 21 दिवसीय प्रशिक्षण **'सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना यंत्र का कृषि में अनुप्रयोग'** विषय पर आयोजित प्रशिक्षण का शानदार समापन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ पी के मिश्रा की सद्प्रेरणा एवं सतत मार्गदर्शन में आयोजित 15 वीं 21 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन कृषि अधिष्ठाता संकाय डॉ धीरेंद्र खरे के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान डॉ खरे ने कहा कि कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की समस्याओं की पहचान करते हुए सुदूर संवेदन तकनीकी द्वारा उनका निदान करना अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध होगा। समापन अवसर पर विशिष्ट अतिथि संचालक शिक्षण डॉ अभिषेक शुक्ला ने बताया कि इमेज प्रोसेसिंग तकनीक के माध्यम से फसल उत्पादन का अनुमान लगाया जाना एक महत्वपूर्ण अनुप्रयोग है, जो कि समय एवं लागत के अभाव में कारगर साबित होगा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर अध्यक्षता कर रहे डॉ अतुल श्रीवास्तव अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय ने बताया कि वर्तमान में, यह तकनीक आने वाले भविष्य में महत्वपूर्ण है भारत के आई.जी.के.व्ही.व्ही. छत्तीसगढ़, आर.वी.एस.के.व्ही.व्ही. और जे.एन.के. व्ही.व्ही. मध्य प्रदेश से आए 24 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिन्हें सतत् 21 दिवस तक सैद्धांतिक व व्यवहारिक प्रशिक्षण के साथ ही रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीक के सॉफ्टवेयर का बेहतर उपयोग कार्य करना एवं कृषि के क्षेत्र में व प्रक्षेत्र पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सौरभ नेमा, डॉ शैलेश शर्मा सह समन्वयक द्वारा किया गया, आभार प्रदर्शन नाहेप परियोजना के प्रमुख समन्वयक डॉ आर के नेमा ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। 21 दिवसीय प्रशिक्षण में समन्वयक की भूमिका डॉ शैलेश शर्मा सह समन्वयक डॉ एमके अवस्थी, डॉ वाय के तिवारी ने निभाई। प्रशिक्षण के सफल संचालन में डॉ एम एल साहू एवं डॉ सी एम एब्रॉल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। 21 दिवसीय प्रशिक्षण को सफल बनाने में ओम प्रकाश प्रजापति, डॉ सुमित काकडे, इंजी दीपक पटले, इंजी अनिकेत राजपूत, इंजी अंजलि पटेल, डॉ देवेंद्र वास्ट, डॉ पीएस पवार, डॉ उमाकांत रावत, इंजी कृष्णा सिंह और इंजी रचित नेमा उल्लेखनीय भूमिका रही।